In the Name of LOVING GOD

अन्तर्ध्वनि
The Inner Voice

VOL. 53, 2015
FREE OF COST
FULL OF CARE

आत्मा की आवाज़
The Voice of Soul

रूह की खुराक़

Diet for
SOUL HEALTH

"Thank you Honesty"

"Thank you Happiness"

मौत की याद से ज़िन्दगी को यादगाार कैसे बनाएँ ?
How to use death as Divine Grace ?

पैसा नहीं, प्रलोभन – पश्चाताप का कारण कैसे बनता है ?
Not money, but greedy mind, becomes the nightmare! How ?

ईश्वर की तो पूजा, किन्तु ईश्वरीय नियमों का प्रतिरोध! क्यों और कैसे ?
Worshipping God, but working against God's laws! How ?

मृत्यु के बाद आत्मा अशान्त क्यों रहती है ?
After death, why the soul requires peace ?

Mission Happiness®

Turn to God before you return To God

Mission Consciousness®

e-mail : contact@missionhappiness.in

www.facebook.com/antardhwani

visit us at www.missionhappiness.in

आत्मा की आवाज से ज्ञान की बातें नहीं real ज्ञान spread होता है। ज्ञान की बातें दिमाग, Intellect से निकलती हैं, जबकि ज्ञान दिल, (आत्मा) से originate होता है। ज्ञान की बातों से केवल सूचना, Information या जानकारी का विस्तार होता है, जबकि ज्ञान knowledge power से जीवन life style का विस्तार होता है।

Therefore, इन 8 pages में - लिखा कम होता है, लेकिन होता कठोर है, ताकि कठिनाईयों से बच जाएँ।

Every body has to die not Every One.

हम सभी every body (शरीर) नहीं every one (soul) हैं। Life and Death कोई हल्का मैटर नहीं है। परलोक जाना और death एक ही नहीं है।

We will simply be transferred and transported from this earth planet to astral planet. स्थूल शरीर body container है, सूक्ष्म शरीर मन+आत्मा content है।

जाने की तैयारी न करने के कारण ही ज्यादातर लोग अपनी और दूसरों की आँखों में धूल झोंक रहे हैं।

जाने की तैयारी में जीना बदल जाता है। और जीने में ज्ञान (sensibility and sensitivity) आ जाती है। Body की death, end नहीं है, बस life की form, change हो जाती है। So, आत्मा की आवाज़ पढ़ने के लिए नहीं पीने, जीने और जाने के लिए है।

पीना means – regularly ध्यान से समझना।

जीना means – ध्यान को actions में use करना।

जाना means – मौत से डरना नहीं, दोस्ती करना।

SELF AWARENESS FOR SELF HELP

किसी भी समय मौत से ज़िन्दगी को पड़ सकता है लड़ना,
तब नहीं काम आता केवल ज्ञान की बातों को पढ़ना।
Simple and Strong Message दे रहे हैं गीता, गुरुग्रन्थ साहब, बाईबल व कुरान,
गहरीं नींद से जाग, **Ego & Anger** से **Self Destruction** न कर, ओ भूले इन्सान!

These lines are "Morning Walk" for Soul Health.

Test of Relations

हमारी जिन्दगी में माँ की मात्रा!

Impressions of Mother for Expression of Motherness

जब एक ordinary woman, ईश्वरीय कृपा से किसी आत्मा को परलोक से पृथ्वीलोक पर लाने का माध्यम बन जाती है, उसे माँ कहते हैं। Therefore माँ, कोई person नहीं, एक Divine personality होती है, जिसकी Divine energy, दिव्य ऊर्जा, जन्म से लेकर देहान्त तक और after life में भी साथ रहती है।

But most important question यह arise हो रहा है, कि **क्या आजकल हमारी जीवन शैली में माँ की मात्रा कम तो नही हो गई है? Motherness Test हम स्वयं ही कर सकते हैं।**

1. हमारी माँ तो simple और sincere रहीं, लेकिन **क्या हमारे actions, सीधे व सरल हैं या clever और careless हो गए हैं?**

2. Kitchen हो या Bathroom, हमारी माँ तो साफ और systematic रहीं, **हम भी neat and clean रहते हैं या गंदगी फैलाने वाले हो गए हैं?**

3. हमारी माँ तो disciplined रहीं, हमें सुबह स्कूल में कभी late नहीं होने दिया, **हम कहीं Indisciplined और लेटलतीफ तो नहीं होते जा रहे?**

4. हमारी माँ तो वायदे की पक्की रहीं, **हम वायदाखिलाफ और कमज़ोर इरादे वाले तो नहीं होते जा रहे?**

5. हमारी माँ ने तो छल कपट नहीं किया किन्तु **पैसा कमाने में हमने कहीं अपनी माँ के संस्कार का अपमान तो नहीं कर रहे?**

6. हमारी माँ ने तो अपने आत्म सम्मान की पूरी रक्षा की, **हम कहीं मूर्खतावश अपनी self respect तो नहीं गँवा रहे?**

7. हमारी माँ तो दयालु और करुणावान रहीं, **हम कहीं कठोर और अन्यायी तो नहीं हो गए?**

Mother की importance बढ़ाने वाले, सभी कर्म होते ही हैं Pure
और जहाँ पवित्रता होती है, वहाँ success ने तो आना ही है Sure
सच्ची संतानें तो कभी नहीं बिकतीं, चाहें कोई कितना भी कर ले Allure
So, माँ का कर्ज़ चुकाने में देर न हो, पृथ्वी पर बचा है, हमारा बहुत कम Tenure

हमारे actions के through दुनिया जाने कि हमारी माँ कैसी हैं।

असली रिश्ता

जीवन – मृत्यु
ईश्वर – धर्म

God क्या है?

ईश्वर अल्लाह, वाहेगुरू – कोई व्यक्ति नहीं है, यह सम्पूर्ण जीवन को चलाने वाली शक्ति, Energy है। इसका अपना एक goal और system है। यह रूहानी power सभी को bless, support & encourage करने के लिए तत्पर रहती है। इसका चाहें use करें या misuse, इसको objection नहीं होता – हाँ results, अच्छे या बुरे भोगने के लिए हम बाध्य होते हैं।

धर्म क्या है?

धर्म – सरलता, सच्चाई, स्नेह, सहयोग, और शान्ति है। हिन्दू, इस्लाम, सिक्ख ईसाई तथा अन्य, यह सभी धर्म के मार्ग हैं। Dharma is righteousness and truthfulness. धर्म सीढ़ी है – आध्यात्मिकता, Spirituality मंज़िल है। सब कुछ और सबको पवित्र करना ही धर्म का उद्देश्य होता है। ईमान से किए गए कर्म ही धर्म की foundation है।

ईश्वर को कैसे पा या मिल सकते हैं?

God मिलने या पाने के लिए नहीं, महसूस करने और जीने (Mindful happiness) के लिए है।

किताबें पढ़ने या भजन सत्संग सुनने या पूजा–पाठ करने से ईश्वर कुछ समय के लिए अनुभव हो सकता है, but a strong desire is required to experience Godness continuously. जितनी तीव्र अभिलाषा होगी, उतनी आसानी से ईश्वरीय अनुभव होने लगते हैं। इसमें मनभावन संगीत काफी helpful हो सकता है।

Godly Experience, ईश्वरीय अनुभव के लक्षण क्या होते हैं?

प्राणी को जीवन सत्य पता चलने लगता है, वह जल्दबाज़ी नहीं करता, शान्ति बढ़ने लगती है। अपने को दूसरों से बड़ा या छोटा नहीं समझता, बड़ी–बड़ी अंहकारी बातें बन्द कर देता है। Self Assessment ज्यादा करने लगता है। झूठ और लालच से परहेज होने लगता है। Anger और irritation काफी कम हो जाते हैं। Happiness Increases. दूसरों से प्रशंसा पाने की इच्छा कम होने लगती है।

True Relationship

Life – Death
God – Religion

जन्म व जीवन क्या है?

जीवात्मा, रूह, जब physical body, स्थूल शरीर से प्रकट होती है, उसे जन्म कहते हैं। जीव (मन बुद्धि, चित, अंहकार) अपने स्वभाव व कर्मो के according, अपनी अगली किस्मत की रचना खुद करता है , जिसे स्वर्ग-नरक या सुख-दुख कहते हैं, जो इस लोक और परलोक दोनों में मिलते हैं। Body की death के बाद सूक्ष्म लोकों में नया जीवन शुरू हो जाता है।

मृत्यु क्या है?

Physical Body, स्थूल शरीर में से जब जीवात्मा, निकल कर सूक्ष्म लोकों में चली जाती है, उसे आम आदमी मृत्यु समझता है। Actually मृत्यु, एक परिवर्तन है, transfer है। हम मरते नहीं है, केवल स्थूल दृष्टि से invisible, अदृश्य हो जाते हैं, but metaphysically exist करते हैं। इसलिए मृत्यु से डरने का कोई कारण नहीं है।

मृत्यु स्मरण से जीवन को क्या फायदा हो सकता है?

Actually, remembrance of death, देहान्त का ध्यान करने से ही life चमत्कारिक, सच्ची, सफल हो जाती है, क्योंकि Divine vibrations, ईश्वरीय तरगें, सीधी-सच्ची व शक्तिशाली होती हैं और जब हमारे प्रत्येक विचार ईश्वरीय नियमों के अनुसार होते जाते हैं, तब God Grace, ईश्वर की रहमत से काम आसानी से होने लगते हैं। रिश्तों-वस्तुओं की importance समझ में आ जाती है। ज़िन्दगी का misuse बन्द हो जाता है।

धर्म की समझ कैसे आती है?

शरीर के जन्म और देह के अन्त का निरन्तर ध्यान रखने से ही धर्म righteousness की समझ आ सकती है।

पूजा पाठ, सत्संग आदि केवल सहायक हो सकते हैं। जब तक जन्म और मृत्यु की समझ नहीं आती, तब तक धर्म से जीना नहीं आता।

How to enjoy life and prepare for death (of body only)

DIVINE LIFE SYMPOSIUMS

at schools, colleges, offices, jails, media centres

No Charges - Only Active Participation

Contact : 9837032053, 9536824265

पैसा और परलोक

A deep relation

करोड़ों को कौड़ियों में बदलते देर नहीं लगती!

पैसा (कमाई-earning) रास्ता है परलोक में शान्ति या अशान्ति का। जैसा पैसा - वैसा परलोक - Money itself is very good, but how it is earned, that decides the fortune or misfortune. उपनिषद हों या कुरान या गुरु ग्रन्थ साहब पवित्र-अपवित्र, हराम, हलाल का ज़िक्र ही नहीं, पूरा फिक्र किया गया है क्योंकि कर्मों से ही तो किस्मत बनती है।

पूँजी, (currency) शब्द पर ही ध्यान देने से पता चल जाता है कि सिक्कों या रुपयों के साथ अदृश्य energy flow करती है, जिसे current कहते हैं। यह current, बिजली, अपना असर दिखाती है। यदि दूसरों को कष्ट व दुख देकर - पैसा currency आई है, तब कष्ट व दुख 100% साथ आने ही हैं। They appear at the right time in the form of extra expenses or fights or tension or loss. किसी न किसी form में यह electromagnetic waves, तरगें, mind में समा जाती हैं और body death से पहले और बाद में भी, अपना असर, पूरा-पूरा दिखाती हैं।

इसका proof क्या है ?

Simple & Strong Evidence – Physical body की death के बाद, आत्मा की शान्ति के लिए पाठ और प्रार्थना करने की क्यों जरूरत पड़ती है? आत्मा current ही तो है। सच्ची, ईमानदार आत्मा, शान्त होकर, प्रकाशमान लोगों में विचरण करती है। अशान्त आत्मा, अतृप्त होती है।, नीचे के अन्धकारमय लोकों में lower frequency पर vibrate करना पड़ता है। जितना लालच होता है, उतनी अशान्ति होती है। इस सत्य को ignore कर सकते हैं किन्तु avoid नहीं।

सुख और दुख decide होते हैं कि, कैसी है हमारी money की Earning जीवात्मा को तो हिसाब देना ही पड़ता है, even after body की Burning केवल पाप पुण्य का डर ही ला सकता है, सोच समझ में Turning कोई भी होशियारी change नहीं कर सकती, God के Laws की Governing.

Pure earning always paves the way for Peace & Prosperity

At

Mission Happiness®

Pure Life is First Business!

एक पंथ दो काज, कैसे?

आत्मा की आवाज़ के माध्यम से society की learned class को Divine way of living and earning, enjoying & enlightening करने की प्रेरणा और हिम्मत तब आई, जब हम स्वयं इसको experience करने लगे।

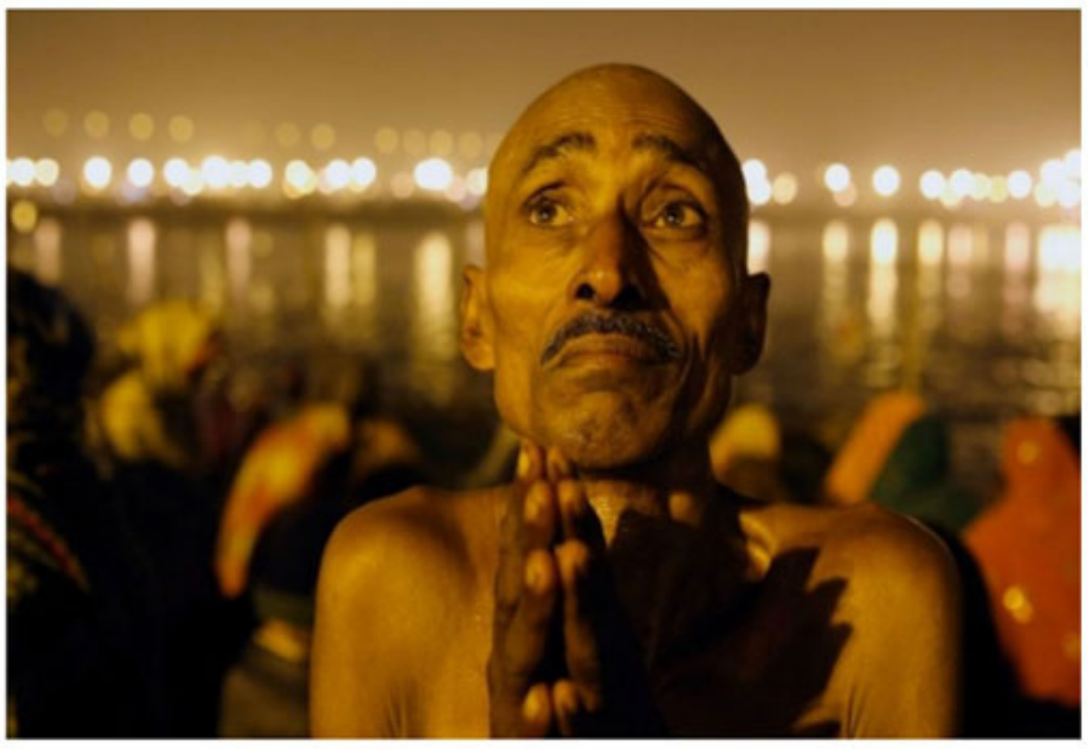

Medicines की manufacturing & selling बहुत ही sensitive segment है। एक तो patient और उसके साथ ही poor, God की sharp eyes हर पल देखती हैं कि जैसा व्यवहार poor patients के साथ करेंगे, वैसा ही व्यवहार, multiply होकर हमारी life में आना ही है। Secondly, doctors and chemists की पवित्र आत्माओं को दूषित या damage करके हम कितनी भी sale कर लें, ईश्वर हमें कभी माफ नहीं करेगा, इस जन्म में भी और अगले जीवन में भी।

September 2015 से excise duty शुरू होने के बाद भी 25%-30% का average price difference, इस लोक और परलोक के लिए पुण्य कमाने का बहुत important medium है।

अपने temporary और छोटे से फायदे के लिए, patients, doctors, chemists का हम कभी अहित नहीं कर सकते। इसलिए tensionless & fearless होकर अपनी और society के अन्य गणमान्य प्राणियों की आत्मा को परमात्मा के समीप ले जाने के भरपूर प्रयास हो रहे हैं।

Mission Happiness से जितने प्राणी जुड़े हुए हैं, उनको उनके परिवार, संस्कारों और धर्म से जोड़कर उन्हें, मन को पवित्र करके ही उनकी life से Best output निकाला जाता है, ताकि भरपूर जीतने और जीने के बाद, शान्ति से तृप्त होकर यह संसार छोड़कर अपने घर परलोक चले जाएँ।

हनुमान चालीसा, कुरान साथ-साथ पढ़ना, गुरुवाणी सुनकर mature होना, उन पर चलना, यही तो Divine Blessings हैं।

पाप और पुण्य के डर से ही, life के business में achieve होते हैं real Gain, बिना धर्म के कर्म करने से 100% face करने ही पड़ते हैं, problems & Pain, Without purity, कितने ही successful क्यों न हो जाएँ, all will go in Vain, Honesty से जीना और honour से जाना ही तो, life का goal है Main.

Reservation for Heaven on Earth

परलोक की Insurance

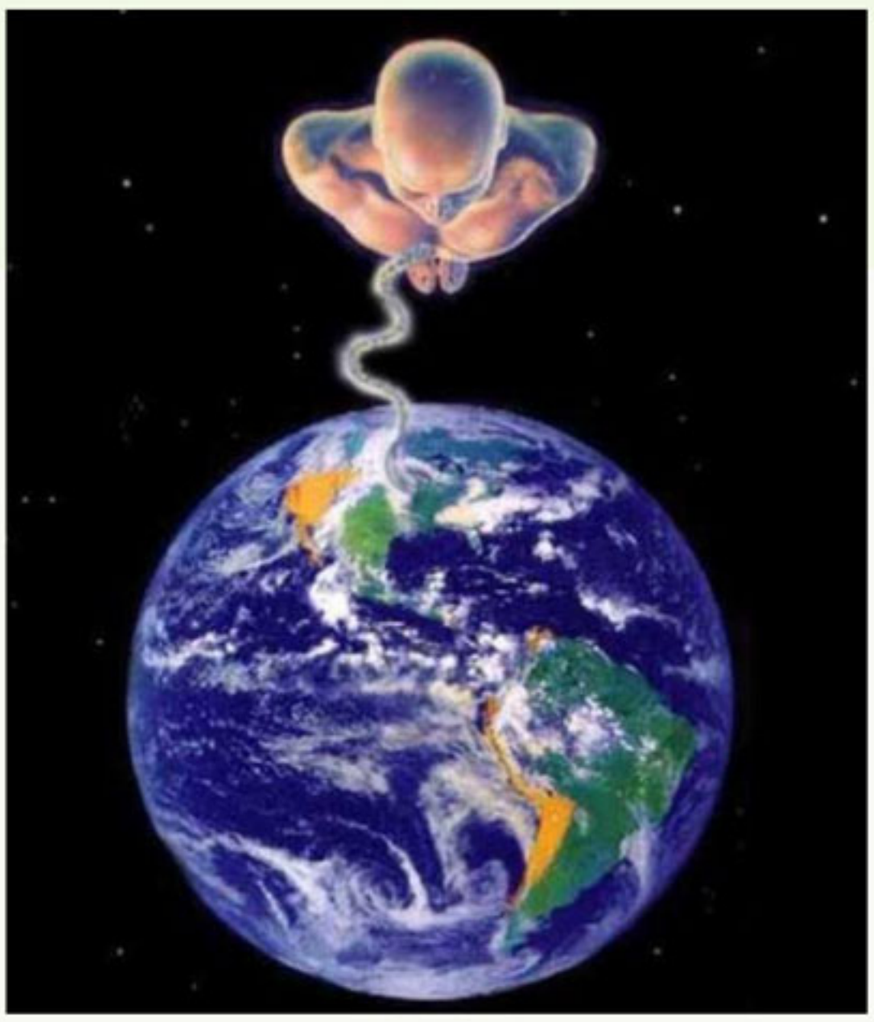

''जीवन के साथ भी और जीवन के बाद भी''

Life Insurance का यह slogan जानते तो बहुत लोग हैं किन्तु समझते कितने होंगे ? Physical death के बाद family members के लिए, financial security का arrangement तो हो गया, but आत्मा को जो आगे परलोक यात्रा करनी है, उसकी भी तो insurance, जीते जी होनी चाहिए या नहीं ? दूसरों की एक प्रार्थना के through क्या दिवंगत आत्मा शान्त रह सकती है ?

In this life हम अपनी family और अपने लिए जो कुछ करते हैं उसका credit/debit हमें यहीं मिल जाता है।

परलोक की insurance का एकमात्र source है–**परोपकार।**

So let us check up our daily deeds जो death के बाद की destiny, decide करने वाले हैं।

1. आज कितने लोगों से मुस्करा कर मीठा बोले ? **To become loving.**
2. आज कितने **poor and patients** की **wellness** के लिए **pray** किया ? **To become kind.**
3. आज कितनी बार अपने **known/unknown** पापों के लिए **God** से माफी मांगी? **To enhance consciousness.**
4. आज कितने लोगों से हमने **sorry** कहा, दिल से ? **To become humble.**
5. आज कितने लोगों से हमने **thank you** कहा, दिल से ? **For attitude of gratitude.**
6. आज कितने लोगों को **hello** के स्थान पर **God bless you** कहा, दिल से ? **To become God devoted.**
7. आज कितना अन्न दान किया, बिना दिखावा किए ? **To become compassionate.**
8. आज अपने पूर्वजों तथा अन्य सभी दिवगंत आत्माओं की शान्ति की कितनी **prayers** कीं ? **To increase faithfulness.**

-: Important :-

आपका written feedback

Divine Life Discovery में बहुत helpful होगा

आत्मा की आवाज़ – Watch on

॥ साधना ॥

आध्यात्मिक सामाजिक टी.वी. चैनल

from November, 2015 onwards. Every Sunday – 30 Minutes

खुशनसीबी के रंग *Mission Happiness* के संग

Published by MISSION HAPPINESS. Ph. : 9837032053. e-mail : contact@missionhappiness.in website : www.missionhappiness.in